शिक्षा के गोठ

मासिक ई-न्यूज़लेटर

अक्टूबर, 2020

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश ...

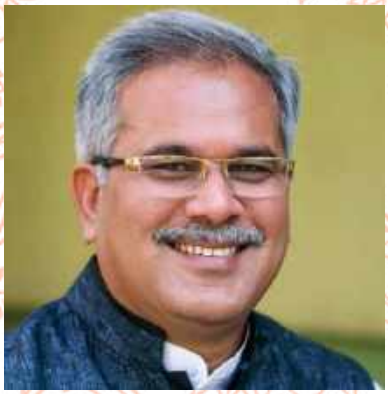

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री

Bhupesh Baghel
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001
ई–मेल : cmcg@nic.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Nava Raipur Atal Nagar, Raipur
492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail : cmcg@nic.in

Do.No. ....157.... Date : 12/10/20

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ई–न्यूज पत्रिका 'शिक्षा के गोठ' की शुरूआत की जा रही है। हमने स्थायी शिक्षकों की भर्ती, स्थानीय बोली–भाषाओं में पाठ्य सामग्री, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल योजना, पढ़ाई को रोचक बनाने के उपायों के साथ ही अनेक नई पहल की है ताकि नौनिहालों का भविष्य सुखद और सुरक्षित बनाए जा सके। मुझे यह कहते हुए संतोष हो रहा है कि कोरोना संकट के कारण नियमित पढ़ाई में आए व्यवधान का निदान करने के लिए प्रदेश में अत्यंत सार्थक नवाचार किए गए। पढ़ाई तुहंर दुआर से ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की गई तो पढ़ाई तुहंर पारा से बसाहटों, पारों–मुहल्लों, गलियों–मैदानों को खुली कक्षाओं में बदलने का सार्थक प्रयास भी किया गया।

इन प्रयासों से बच्चों का मनोबल और शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिली है। ई–पत्रिका का नव प्रयास पूर्व में किए गए सारे प्रयासों को जनता के बीच लाने और जनभागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार बनेगा, ऐसा मुझे विश्वास है।

शुभकामनाओं सहित।

(भूपेश बघेल)

माननीय मंत्री जी का संदेश ...

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम

मंत्री

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास,
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास,
स्कूल शिक्षा तथा सहकारिता
छत्तीसगढ़ शासन

कार्यालय - एम - 4 / 1, 2, 3, 4, 5 - महानदी भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
आवास - डी - 7 एवं 8, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष - कार्यालय - 0771 - 2510904, 2221104
आवास - 0771 - 2331030 / 2331031
फैक्स - 0771 - 2331029
मोबाइल - 94252 - 34565 , 98268 - 16232
मेल - cgeducationminister@gmail.com

अर्ध शास पत्र क्रमांक...1700.../ मंत्री / आ.जा.तथा.अनु.जा.वि.पि.व.एवं.अ.सं.वि.स्कू.शि.तथा.सह. / 2020 दिनांक...10/10/2020

"संदेश"

शस्य-श्यामल छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सम्पदा के लिये देश ही नहीं दुनिया का मन मोह लेता है। तभी तो महाकवि कालिदास ने मेघदूतम् की रचना के लिये छत्तीसगढ़ के सुरम्य वातावरण को चुना। यह प्रदेश असीम ऊर्जा से भरा हुआ है। यहां के नवनिहाल जहां शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया के अनेक मंचों पर अपना परचम लहराते है। वहीं खेल, मनोरंजन, विज्ञान और साहित्य के क्षेत्र में भी किसी से कमतर नहीं है। स्कूली शिक्षा की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार बेहतर प्रयास कर रही है। हमारे शिक्षकों के लगातार प्रयास ने शिक्षा को नई ऊंचाई दी है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी वाले इस कठिन समय में भी शिक्षकों को नवाचारी शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ते हुये देखा जा सकता है। मुझे विश्वास है कोई भी कठिनाई छत्तीसगढ़ के शिक्षा विकास के पथ को रोक नहीं सकती, इस समय पर ऑनलाईन न्यूज लेटर एक सुनहरे भविष्य को साकार करने की दिशा में सार्थक प्रयास है। मैं इसके लिये अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

(डॉ0 प्रेमसाय सिंह टेकाम)

संपादकीय

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए पूरे देश में सभी शैक्षणिक संस्थाएं बंद हैं। निकट भविष्य में स्कूल खुलने में अनिश्चितता की स्थिति है, इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'पढ़ई तुहर दुआर', 'पढ़ई तुहर मोहल्ला', 'लाउडस्पीकर', 'बुल्टू के बोल' जैसे अनेक नवाचारी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं जिसके तहत हमारे शिक्षकों द्वारा ज्यादा से ज्यादा बच्चो को सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। कई सीखने-सिखाने के रोचक तरीकों, नवाचारी गतिविधियों को अधिकांश जिलों के शिक्षकों द्वारा रूचि पूर्वक करते हुए देखा जा सकता है अतः इसे अधिक कारगर बनाने के लिए कोरोना काल में किए जा रहे नवाचारी प्रयासों को रेखांकित किया जाए ताकि वे एक दूसरे से सीख कर पढ़ाई-लिखाई के अवसर में वृद्धि कर सकें। प्रदेश की शिक्षा में गुणवत्ता लाने तथा किए गए प्रयास को आमजनों तक पहुचाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा SCERT के माध्यम से एक 'ई न्यूज लेटर' का प्रकाशन प्रारंभ किया जा रहा है। मुझे आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हमारे शिक्षकगण इस ई न्यूज लेटर के माध्यम से "पढ़ई तुहर दुआर" कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

संचालक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्,
छत्तीसगढ़, रायपुर

cgschool.in पोर्टल के अनुसार मासिक मानिटरिंग रिपोर्ट

- ए. के. सोमशेखर, वरिष्ठ तकनिकी निदेशक (NIC)

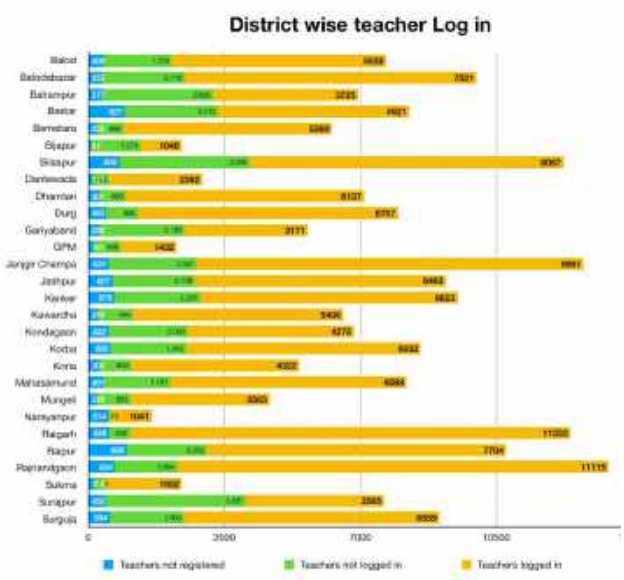

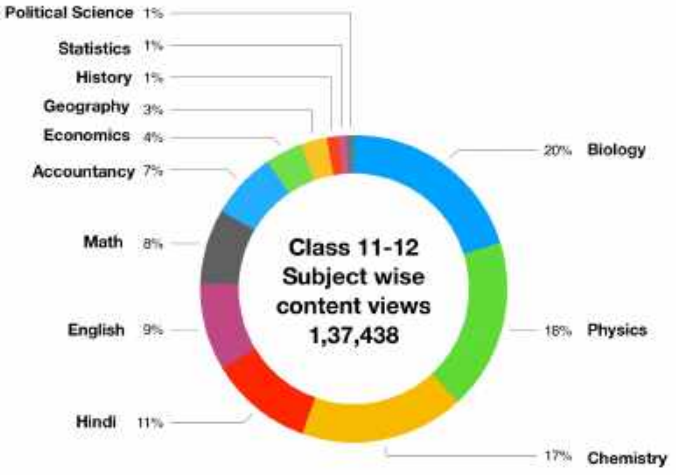

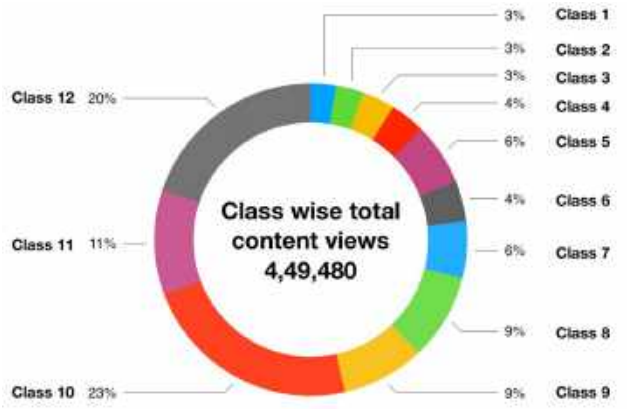

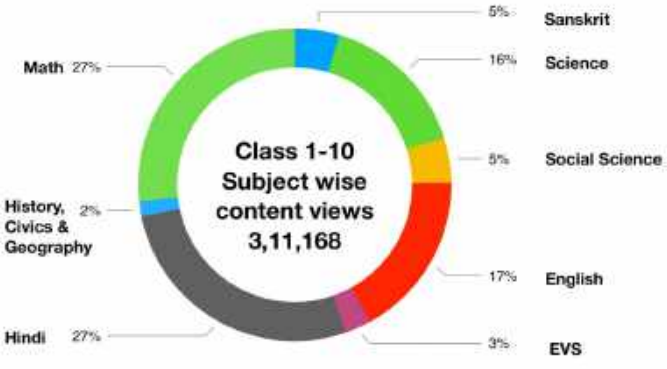

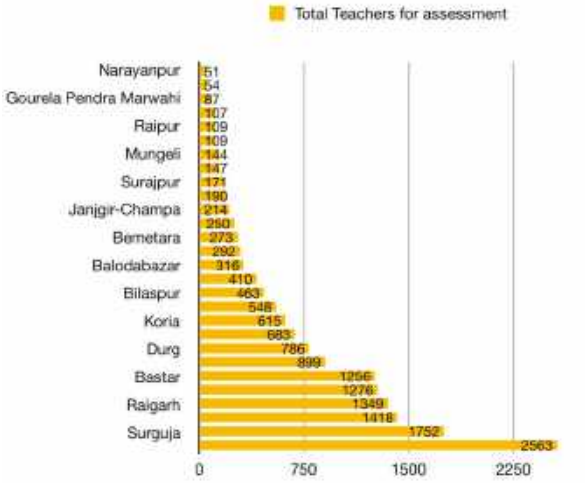

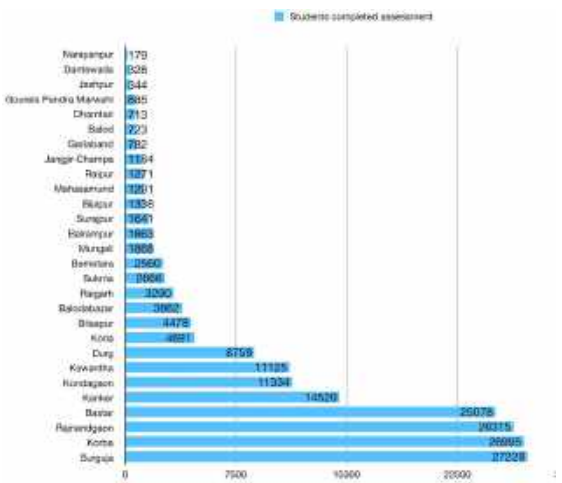

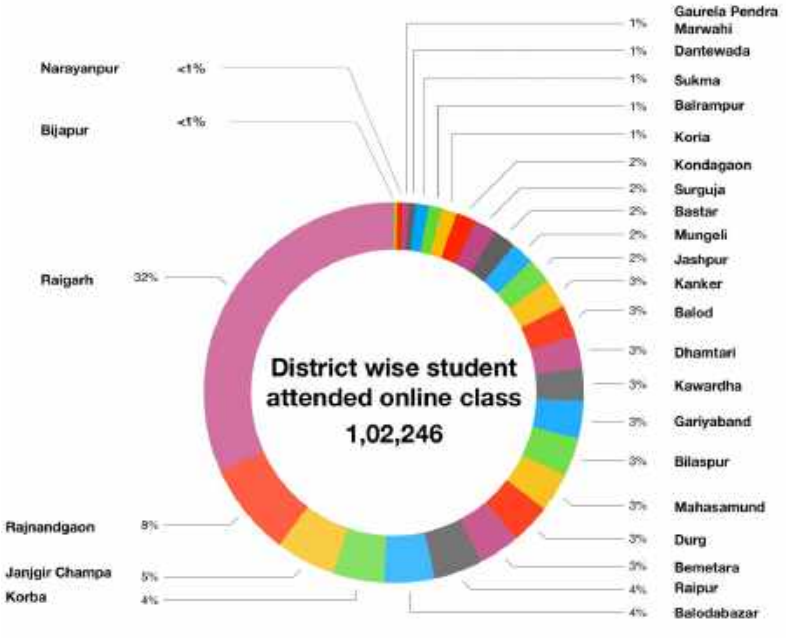
District wise student attended online class
1,02,246
Gaurela Pendra Marwahi 1%
Dantewada 1%
Sukma 1%
Balrampur 1%
Koria 1%
Kondagaon 2%
Surguja 2%
Bastar 2%
Mungeli 2%
Jashpur 2%
Kanker 3%
Balod 3%
Dhamtari 3%
Kawardha 3%
Gariyaband 3%
Bilaspur 3%
Mahasamund 3%
Durg 3%
Bemetara 3%
Raipur 4%
Balodabazar 4%
Narayanpur <1%
Bijapur <1%
Raigarh 32%
Rajnandgaon 8%
Janjgir Champa 5%
Korba 4%

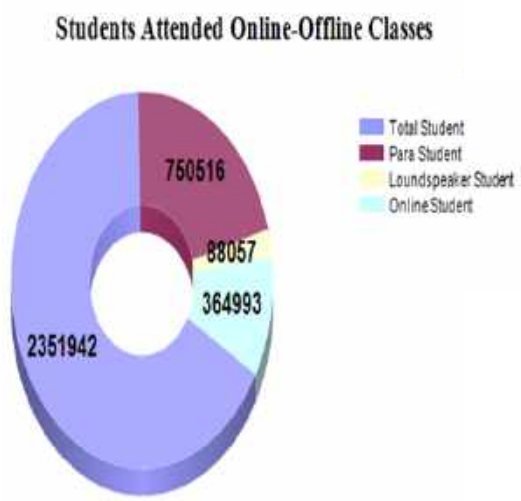
Students Attended Online-Offline Classes
750516
88057
364993
2351942
Total Student
Para Student
Loundspeaker Student
Online Student

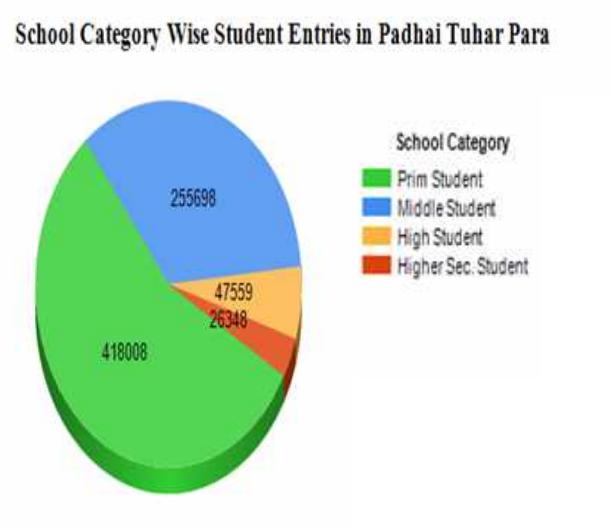
School Category Wise Student Entries in Padhai Tuhar Para
255698
47559
26348
418008
School Category
Prim Student
Middle Student
High Student
Higher Sec. Student

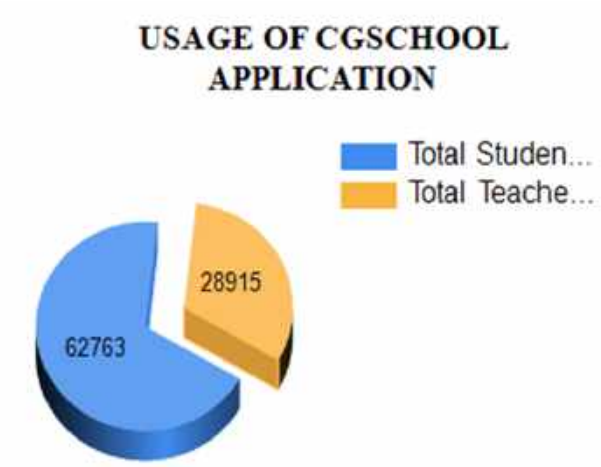
USAGE OF CGSCHOOL APPLICATION
28915
62763
Total Studen...
Total Teache...

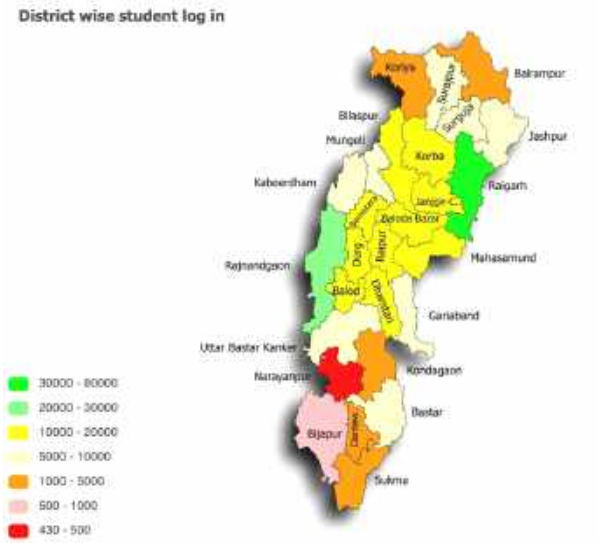
District wise student log in
30000 - 80000
20000 - 30000
10000 - 20000
5000 - 10000
1000 - 5000
500 - 1000
430 - 500

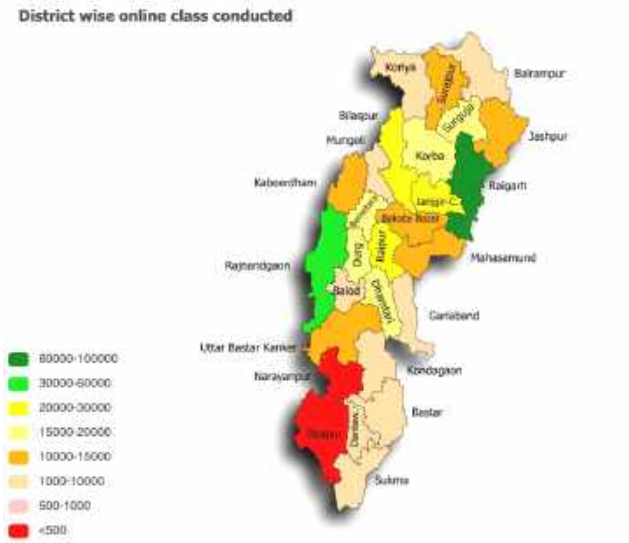
District wise online class conducted
60000-100000
30000-60000
20000-30000
15000-20000
10000-15000
1000-10000
500-1000
<500

cgschool.in के माध्यम से आयोजित सर्वे का परिणाम

- डॉ. एम. सुधीश, सहायक संचालक, समग्र शिक्षा

सर्वे का उद्देश्य

राज्य में सभी शासकीय स्कूलों में मुस्कान पुस्तकालय संचालित हैं और उनमें प्रतिवर्ष बच्चों के पढ़ने के लिए पुस्तकों की व्यवस्था हेतु बजट आता है। अभी जब स्कूलों में तालाबंदी है तो क्या हम बच्चों को इन मुस्कान पुस्तकालय की पुस्तकों को पढने की अनुमति दे सकते हैं। इस बाबत हम शिक्षकों एवं बच्चों से राय लेना चाहते हैं ताकि यदि पुस्तकें लेकर पढ़ने में रूचि हो तो इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए जा सकें।

विद्यार्थियों के लिए प्रश्न: यदि आपको मुस्कान पुस्तकालय से पुस्तकें पढ़ने को मिलें तो क्या आप पुस्तकें संभालकर रखते हुए पढ़ने में रूचि लेंगे।

विकल्प एक - हाँ 15495 (87 प्रतिशत)

विकल्प दो- नहीं 2402 (13 प्रतिशत)

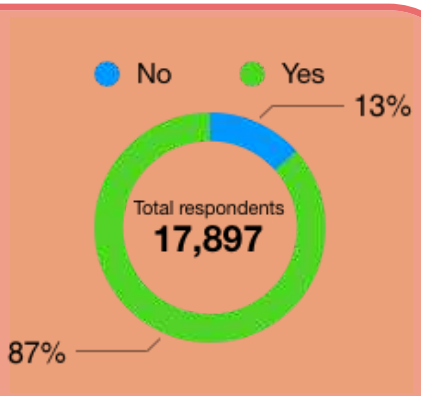

cgschool.in में एक सप्ताह तक उपलब्ध करवाए गए इस सर्वे में कुल 17897 बच्चों द्वारा अपने मत का उपयोग किया गया। इनमें से 15495 अर्थात कुल 87 प्रतिश बच्चों द्वारा मुस्कान पुस्तकालय से पुस्तक लेकर पढ़ने की इच्छा दिखाई गयी जबकि 2402 अर्थात कुल 13 प्रतिशत बच्चों ने पुस्तकालय से पुस्तकें ले जाने के बारे में अनिच्छा व्यक्त की गयी। मुस्कान पुस्तकालय की पुस्तकों को बच्चों को उपलब्ध करवाए जाने के संबंध में शिक्षकों की ओर से इस सर्वे में कुल 41564 शिक्षकों द्वारा अपने मत का उपयोग किया गया | इनमें से 35659 अर्थात कुल 86 प्रतिशत, शिक्षकों द्वारा मुस्कान पुस्तकालय से बच्चों को पुस्तक उपलब्ध करवाए जाने हेतु सहमति बनी जबकि 5905 अर्थात कुल 14 प्रतिशत शिक्षकों ने पुस्तकालय से बच्चों को पुस्तकें देने एवं उसकी सुरक्षा को लेकर इस कार्य के प्रति अनिच्छा व्यक्त की गयी | बच्चों एवं शिक्षकों की इस बाबत राय लगभग समान है | अत: सभी जिलों को अपने अपने शालाओं से मुस्कान पुस्तकालय से बच्चों के उपयोग हेतु पुस्तकें जारी किए जाने हेतु निर्देश दिया जाना प्रस्तावित है |

शिक्षकों के लिए प्रश्न: क्या आपको लगता है कि आपकी शाला के मुस्कान पुस्तकालय की पुस्तकों को विद्यार्थियों को देने से वे उसे संभालकर रखते हुए पढ़ने में लेंगे।

विकल्प एक - हाँ 35659 (86 प्रतिशत)

विकल्प दो - नहीं 5905 (14 प्रतिशत)

रूम टू रीड छत्तीसगढ़

कोविड-19 की विपदा के चलते, सुरक्षा कारणों को देखते हुए हमारे विद्यालय बच्चों को औपचारिक शिक्षा सुचारू रूप से उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। हालाँकि स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यालय बन्दोपरांत ही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिक्षको और बच्चों को हर प्रकार की विषयवस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। विद्यालय बंद होने के कारण जब बच्चे भौतिक रूप से शिक्षक के साथ संवाद कर पाने की स्थिति में नहीं थे, तभी से स्कूल शिक्षा विभाग ने टेक्नोलॉजी के विविध आयामों को एक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में देखना प्रारंभ किया। इस दिशा में, हमारे प्रयासों को राज्य में कार्यरत गैर सरकारी संस्थानों (NGO) का भी लगातार सहयोग मिलता रहा है। इस दिशा में रूम टू रीड संस्था ने, बच्चों के सीखने की प्रक्रिया के राज्य स्तरीय प्रयासों को सशक्त बनाने में योगदान दिया है। विगत माह में बच्चों की पढाई को ध्यान में रखते हुए बहुत से शिक्षकों ने स्वैच्छिक रूप से बच्चों को उनके स्कूल विद्यालयों, मोहल्लों अथवा घरों के आस-पास पढ़ाने का प्रयास किया है। चूँकि इस समय सामाजिक दूरी को बनाये रखना जरुरी था इसलिए इन सभी स्वैच्छिक शिक्षकों ने लाउडस्पीकर को एक टूल (पढ़ाने के माध्यम) के रूप में प्रयुक्त किया। लाउडस्पीकर के माध्यम से पढ़ाना सुरक्षा के मायनों पर तो सही था लेकिन बच्चों से लगातार एक तारतम्यता और एकरूपता बनाये रखते हुए कार्य कर पाना थोडा मुश्किल था। यहाँ पर रूम टू रीड संस्था ने बच्चों के लिए एक छोटा पाठ्यक्रम बनाने का प्रयास किया। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छोटी छोटी मौखिक गतिविधियाँ, बच्चों के लिए कहानियों की ऑडियो क्लिप्स, तथा शिक्षकों द्वारा बच्चों को पढ़ कर सुनाई जाने वाली सामग्री शामिल की गयीं। लाउडस्पीकर आधारित विद्यालयों में प्रारंभ में किये जाने वाले क्रियाकलाप और गतिविधियां ज्यादातर मौखिक थी। इस स्थिति में जरुरत थी की बच्चे जो सुन रहे हैं, जो बोल रहे हैं उसे लिखने का भी अभ्यास कर पाएँ। इसके लिए रूम टू रीड ने प्रारंभिक भाषाई कौशलों के आधार पर 1000 लाउडस्पीकर विद्यालयों के 30000 बच्चों के लिए वर्कशीट का निर्माण, प्रिंटिंग और वितरण किया। अन्य विद्यालयों को भी उन वर्कशीट के लाभ मिल सके उसके लिए राज्य के साथ मिलकर सॉफ्ट-कॉपी को अन्य विद्यालयों तक पहुँचाने की कार्ययोजना भी बनायी। इस प्रकार के वर्कशीट (कार्य पत्रक) के कारण, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां होने के बावजूद भी शिक्षक बच्चों के साथ पढ़ने और लिखने के कार्य को क्रमिक रूप से कर पाए। गत वर्ष की तरह, रूम टू रीड इंडिया ने पढ़ने के महत्त्व पर जागरूकता को बढ़ाने और पढने की आदत के प्रति बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए 15 अगस्त 2020 से 8 सितम्बर 2020 (अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस) तक पढने के लिए एक अभियान शुरू किया। covid -19 के कारण छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल बंद होने की वजह से, रीडिंग कैंपेन को बच्चों तक पहुँचने के लिए "डीजिटल माध्यमों" की ओर रुख अपनाया गया। रीडिंग कैंपेन के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शिक्षकों, सरकारी अधिकारियों, और अभिभावकों की मदद से बच्चो में पढ़ने को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आभासी प्लेटफार्मों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस हेतु रूम टू रीड संस्था ने राज्य के समस्त बच्चों के लिए एक टोल फ्री नम्बर भी शुरू किया। इस नम्बर पर प्रतिदिन दिन नई कहानियाँ उपलब्ध करायी जाती रहीं। इस अभियान के दौरान करीबन 50 हजार बच्चों ने, हजारो शिक्षकों और अपने अभिभावकों की सहायता से प्रतिदिन एक कहानी पढ़ी और उस कहानी पर बने विडियो का भी आनंद लिया। 29 अगस्त और 8 सितम्बर को हुए रीड-ए-थॉन में निश्चित समय पर एक साथ पढते हुए न सिर्फ इस अभियान में शामिल हुए बल्कि पढने की आदत की तरफ एक कदम भी बढ़ाया।

सफलता की कहानी

श्री रवि कुमार वर्मा,
व्याख्याता न.नि. भौतिक शास्त्र

इस कारोना महामारी से बच्चों की पढ़ाई के नुकसान को रोकने के लिए मेरे द्वारा अप्रैल माह से ऑनलाइन कक्षा का नियमित संचालन किया जा रहा है।जिसमें लगभग प्रदेश के सभी बच्चे जुड़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। अभी तक 300 से अधिक ऑनलाइन कक्षा का संचालन किया गया है जिसमे 9000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हो चुके हैं। ऑनलाइन शिक्षा को रुचिकर कर बनाने के लिए समय समय पर ऑनलाइन सामान्य ज्ञान, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। साथ ही कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी बच्चे जो प्रतियोगिता में भाग लेते हैं उनको ऑनलाइन प्रमाण पत्र भी दिया जाता है। जिससे प्रमाण पत्र प्राप्त कर बच्चे उत्साहित होते हैं। बच्चे पढ़ाई के साथ साथ इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर ऑनलाइन कक्षा को उत्साह के साथ अटेंड करते हैं। इस प्रकार ऑनलाइन ही इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों के साहित्यिक गुणों का भी विकास किया जा रहा है। इस प्रकार ऑनलाइन पढ़ाई के साथ साथ बच्चे विभिन्न प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं और अपनी-अपनी अन्य योग्यताओं को भी ऑनलाइन की प्रदर्षित कर रहे हैं। बच्चे आनलाइन कक्षा में पूरी रूचि एवं उत्साह के साथ जुड़ते हैं। प्रदेश के अन्य जिले के बच्चे भी आनलाइन कक्षा में शामिल होते हैं और बच्चों को उनके विषय संबंधित विषयवस्तु एवं विडियो उनके वाट्स अप नंम्बर में भी भेजा जाता है। मेरे द्वारा इस कोविड-19 की विपरीत परिस्थिति में विभिन्न जिले में कार्य कर रहे शिक्षक एवं बच्चों के ब्लाग लेखन का कार्य भी किया जा रहा है। मेरे द्वारा पढ़ई तुंहर दुवार के पोर्टल पर अपने विषय से संबंधित विडियो को भी अपलोड किया गया है, जिसमें लगभग 137 पाठ्य सामग्रियों को स्वीकृत भी किया गया है। जिसका लाभ प्रदेश के सभी बच्चे प्राप्त कर रहे हैं।

श्री राजर्षि पांडेय, शिक्षक
एल.बी. शासकीय पूर्व माध्य. शाला सिंगपुर

मास्क पहनकर करें अभ्यास, सोशल डिस्टेंसिंग के साथ, खेलकूद का करो प्रयास, तभी तो होगा कौशल विकास, खेल खेलने जाना है, कौशल विकास पाना है, टेक्नोलॉजी को अपनाना है, ऑनलाइन शिक्षा पाना है। कवर्धा जिले के पंडरिया विकासखंड के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिंगपुर, जिसे खेलों की नर्सरी के रूप में जाना जाता है, शाला को खेलों में निरंतर राष्ट्रीय उपलब्धि राज्य उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार राज्यपाल अवार्ड आदि सभी मिले, जिसके पीछे अकादमी के साथ-साथ पाठ्येतर क्षेत्र में बेहतर कार्य ही रहा। वर्तमान वैश्विक महामारी के समय आपदा को अवसर में बदलने की चुनौती रही, अतएव ऑनलाइन क्लास मुझे पर्याप्त नहीं लगा, लर्निंग

फ्रॉम होम के माध्यम से मोहल्ला कक्षा, लाउडस्पीकर कक्षा की शुरुआत की है परंतु इसमें भी वह वातावरण जो शाला में मिलता बच्चों को नहीं दे पा रहा था। अत: मोहल्ला कक्षा के अंतर्गत समय-समय पर पाठ्य गतिविधि जैसे स्थानीय खेल फूगड़ी, बिल्लस, शैक्षिक खेल, गीत, व्यायाम आदि को कराने से बच्चों में रूचि आई, जिससे मोहल्ला कक्षा रोचक होने लगी। इसके अतिरिक्त मैं अपनी पदस्थ शाला के आसपास 10 किलोमीटर के क्षेत्र में भी शिक्षकों को प्रेरित कर, उनकी सहायता करने जाता हूं। ऐसी ही एक शाला दमगढ़ (जुगराट) जहां शत बैगा जनजाति के बच्चे हैं, मोहल्ला क्लास लिया, खेलों के माध्यम से व्यायाम से एवं शैक्षिक खेल गतिविधियों के माध्यम से सिखाने का कार्य निरंतर जारी है। मैं अपने कुछ मित्रों, शिक्षकों एवं समुदाय के लोगों के साथ मिलकर एक टीम का गठन करने जा रहा हूं, जो इसी सप्ताह से आसपास के 5 किलोमीटर के क्षेत्र में मोहल्ला कक्षा के माध्यम से अकादमिक, पाठ्येतर क्षेत्र में कार्य तथा वैश्विक महामारी की रोकथाम सावधानियों के बारे में बताएगी।यह कार्य हमारे द्वारा शुरू किया जा चुका है।

कुमारी मोनू गुप्ता, सहायक शिक्षक एल. बी, शा.प्रा. शाला, बिरकोना

कोरोना के दौरान मोहल्ला कक्षा में जाकर पढ़ाना एक चुनौती रही है फिर भी बच्चों को मोहल्ले में जाकर मैने पढ़ाना शुरू किया । मेरे द्वारा ऑनलाइन और मोहल्ला कक्षा संचालित की जा रही है लेकिन ऑनलाइन कक्षा में बच्चे कम संख्या में जुड़ने के कारण पढ़ई तुंहर दुवार के तहत मोहल्ला कक्षा में लगभग सभी बच्चे आने लगे। पढ़ाई के साथ साथ गतिविधि जैसे - पारंपरिक खेल बिल्लस, कहानी , गीत चित्रकला इन चीजों को शामिल करते हुए बच्चों की रोचकता को बढ़ाने का प्रयास किया। बच्चों को इनका लाभ मिलने लगा । ये मेरी मोहल्ला कक्षा है जिसमे बच्चे कोरोना से बचाव के लिए दूर-दूर बैठ के कोरोना से बचने के नियम का पालन कर रहे हैं । मोहल्ला कक्षा में हमारी शाला में नही पढ़ने वाले बच्चे भी शामिल होने लगे इसमे बच्चों के पालकों की भूमिका सक्रिय रही जो अपने बच्चो को खुद मोहल्ला कक्षा में छोड़ने आने लगे कुछ कहने पुस्तक और न्यूज पेपर कटिंग के द्वारा बच्चे अपने स्तर के अनुसार चित्र बनाना सीख रहे हैं। इस प्रकार बच्चों के ज्ञान को संज्ञानात्मक और सहसंज्ञानात्मक दोनो प्रकार से बच्चो को सिखाने का प्रयास कर रही हूं जिससे बच्चो में छिपी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता रहे । इसी कार्य के लिए मुझे बह पोर्टल में हमारे नायक पेज में आने का मौका मिला जो मेरे लिए गर्व की बात है । दिव्यांग होते हुए भी मैंने मजबूत इरादे से इस मुकाम को प्राप्त किया । इसके लिए scert की पूरी टीम को धन्यवाद जिन्होंने मेरे इस काम को सभी तक पंहुचाया।

श्री परमेश्वर सोयाम, शिक्षक एल.बी. शास. हाई स्कूल, बैरख

मैं कबीरधाम जिला के विकासखण्ड बोड़ला के वनांचल में स्थित बैगा बाहुल्य क्षेत्र के विद्यालय शासकीय हाई स्कूल बैरख में कार्यरत हूं, और कोरोना वैश्विक महामारी के कारण शासन द्वारा चलाये गए पढ़ाई तुंहर दुआर के

अंतर्गत मैंने अप्रैल 2020 से ऑनलाइन क्लास लेना प्रारंभ किया लेकिन प्रारंभ में विद्यालय से बिल्कुल भी बच्चे नहीं जुड़ पा रहे थे तब मैंने समुदाय और प्राचार्य जी के साथ मिलकर सभी बच्चों के पालकों से संपर्क करना प्रारंभ किया जिसमे कुछ पालकों के मोबाइल में एप्प को डाऊनलोड करके घर पहुँच सेवा देकर इसे चलाना बताया

गया और कुछ पालकों के पास मोबाइल तो था लेकिन उनके पास मोबाइल में रिचार्ज करवाने के पैसे नहीं थे तो इसका समाधान मेरे और प्राचार्य एवं शाला प्रबंधन के सदस्यों द्वारा आर्थिक सहायता करके रिचार्ज करवाकर किया गया और जहाँ नेटवर्क और जिनके पास मोबाइल नहीं था वहाँ पढ़ाई तुंहर पारा कक्षा का संचालन करके उनका कक्षा लिया जा रहा है, लैपटॉप के माध्यम से भी पढ़ाया जा रहा है और कक्षा में लगातार शामिल बच्चों को हर माह शिक्षकों द्वारा पुरस्कृत किया जाता है जिससे बच्चों की उपस्थिति लगातार बढ़ते रहे। ऑनलाइन क्लास के माध्यम से मैंने बच्चों को पाठ के अतिरिक्त उनको प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में सप्ताह में क्विज कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है जिससे उनका सामान्य ज्ञान मजबूत हो। प्रत्येक महत्वपूर्ण दिवस और जयंती के बारे में भी विद्यालय में बच्चों व समुदाय को बताया जाता है। जैसे आज मोहल्ला क्लास में विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

प्रशस्ति-पत्र

नियमित आनलाइन कक्षाएं लेने हेतु

Name - Khushboo das

School/Office Name - GOVT PRIMARY SCHOOL PURANI BASTI MANENDRAGARH

District - KORIA

कोरोना महामारी के समय बच्चों की अनवरत पढ़ाई जारी रखने में स्वैच्छिक रूप से भागीदारी निभाने के लिए ससम्मान प्रदत्त

दिनांक - 05/Sep/2020

इस माह का विशेष

इस माह शिक्षक दिवस के अवसर पर ऐसे सभी शिक्षक जो कोरोना लाकडाउन के दौरान इस संकट की घड़ी में भी बच्चों का सीखना जारी रखे हुए हैं, उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रोत्साहन-स्वरुप एक सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इसी प्रकार समुदाय से बच्चों की शिक्षा के सहयोग कर रहे शिक्षा सारथियों को भी प्रोत्साहन-स्वरूप सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे। इसके लिए शिक्षकों द्वारा उनका विवरण हमारे वेबसाईट में अपलोड किया जाएगा। अब हमारे वेबसाईट में शिक्षकों द्वारा पढाए जा रहे बच्चों का विवरण भरा जाना है। माह अक्टूबर से बच्चों का लर्निंग आउटकम के आधार पर आकलन किया जाएगा। यह आकलन बहुत ही आसान होगा। बच्चों की प्रत्येक लर्निंग आउटकम की स्थिति के आधार पर बहुत अच्छा से लेकर सीखने की आवश्यकता के आधार पर स्माइली पर क्लिक करना होगा। अक्टूबर में इसकी एंट्री की प्रक्रिया पर आधारित एक आनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नवाचारी गतिविधियाँ

- प्रशांत कुमार पांडेय, नोडल अधिकारी, राज्य मीडिया सेंटर

कोरिया से ...

मोटरसायकिल में बांध के छाता, रूद्र पहुंचते हैं लेने मोहल्ला क्लास

वर्ष 2020 कोरोना वायरस का साल रहा है वैसे तो बच्चों को इस वर्ष भी नई कक्षा, नई किताब कापियों की खुशबू के साथ नए बस्ते यूनिफार्म और नई जूतों और कुछ नए चेहरों से दोस्ती का इंतजार था। कोविड 19 कोरोना महामारी की वजह से शिक्षा विभाग की ओर से वर्चुअल क्लास, मोहल्ला क्लास और लाउडस्पीकर के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए एक साथ सभी बच्चों को एक साथ बैठाना भी जोखिम भरा है इसलिए शिक्षा विभाग की ओर से गाँव-गाँव चलाए जा रह मोहल्ला क्लास सफल साबित हो रहे है। शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी मदद से पढ़ाई का अच्छा माहौल तैयार हो रहा है जिसमें बच्चें भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते दिखाई दे रहे है। गौरतलब है कि इन दिनों छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन क्लास के बाद शासन के निर्देश पर गाँव-गाँव में मोहल्ला क्लास आरंभ कर दी गई है जहां बच्चों को गाँव मे स्थित किसी रंगमंच या घर के दुवारी (आंगन) में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। जिसमें बच्चे पर्याप्त सामाजिक दूरी का पालन करते हुए पढ़ाई कर रहे है जिस पर कोरिया जिले के शिक्षक जमीनी स्तर पर मेहनत कर रहे है जिसके कारण शिक्षकों को सम्मान मिल रहा है जिसमें अशोक लोधी (सिनेमा वाले बाबू) अपनी मोटर साइकिल में ब्लैक बोर्ड बांधकर मोहल्ला क्लास में बच्चों को पढ़ाते है। एक और अजब गजब छतरी वाले शिक्षक जो छत्तीसगढ़ कोरिया के सरहदी इलाका के अंतिम स्कूल

जो ग्राम सकड़ा में प्राथमिक शाला के नाम से जाना जाता है। यहाँ के शिक्षक रूद्र प्रसाद सिंह राणा अपनी मोटर साइकिल में छतरी, एक सूटकेस में पुस्तकालय, माईक, घण्टी, ब्लैक बोर्ड लेकर बच्चों को पढ़ाते मोहल्ला क्लास में पंहुचते हैं और प्राथमिक शाला सकड़ा के आसपास गुरच्वापारा, पटेल पारा, स्कूल पारा, बिही पारा, मुहारी पारा में मोहल्ला क्लास आयोजित कर बच्चों में शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। शिक्षक रूद्र प्रताप सिंह राणा रोजाना पेण्ड्रा मरवाही जिले के लगभग 40 किलोमीटर दूर ग्राम प्रारासी से आना जाना करते है। छतरी वाले बाबू का यह नाम पाना आसान नहीं था चूंकि वह एक किसान भी है और बच्चों की अलख जगाने अपने खर्चे से बच्चों को आधुनिक पढ़ाई से जोड़ने का यह प्रयास काबिले तारीफ है।

बस्तर से ...

'आमचो रेडियो' के जरिए लाउडस्पीकर से हो रही पढ़ाई

रेडियो कनेक्टिविटी के तहत लाउडस्पीकर के माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का नायाब तरीका बस्तर जिले में अब लोगो के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। अब तक गांव में लाउडस्पीकर के जरिए मानसम्मान की आवाज ही पूरे गांव में सुनाई देती रही है लेकिन प्रशासन ने अब इसे लाउडस्पीकर को लोगो को शिक्षित करने का माध्यम बना लिया है इसके जरिए छात्र-छात्राएं तो पढ़ाई तो कर ही रहे है। उनके पालक व ग्रामीणों को भी शिक्षित किया जा रहा है कोरोनाकाल में पढ़ाई के नुकमसान की भरपाई करने कई प्रयास किए जा रहे है कलेक्टर रजत बंसल की पहल पर लाउडस्पीकर से अब गांव-गांव में पढ़ई तुंहर दुआर तक पहुंच रही है। इसी कड़ी में पढ़ई तुंहर दुआर के तहत बस्तर ब्लॉक के भटपाल में एक अभिनव पहल शुरू किया गया है।

सभी लोग कक्षा शुरू होने का इंतजार करते है, इस नई व्यवस्था से गावं के सारे लोग जुड़ रहे है शुरूआत में लोगो के समझ में नही आया लेकिन अब वे लाउडस्पीकर पर कक्षा शुरू होने का इंतजार करने लगे है गांव के सचिव रूपसिंह बघेल व शिक्षक लखन कश्यप भी इसमें जुड़ हुए है अपनी और बच्चों के लिए पेन कापी लाकर दे रहे है

साथ ही शाम की कक्षा में मच्छर से बढ़ने के उपाय कर रहे है कम्यूनिटि रेडियो की तर्ज पर भटपाल में प्रायोगिक रूप से लोगो के मनोरंजन के साथ शिक्षा से जोड़ा जा रहा है यहां कुपोषण दूर करने और शासन की अन्य योजनाओं की जानकारी दी जा रही है इसका रिस्पांस अच्छा मिल रहा है। जल्दी ही इसे शासन की अन्य योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा और जिले भर में लागू किया जाएगा। स्थानीय बोली में कहानी से अंग्रेजी सिखाने की कोशिश नवाचार के तहत शिक्षा में कई प्रयोग हुए है इसी तर्ज पर बस्तर ब्लॉक के भटपाल में तीन स्तर पर लोगो शिक्षित करने की योजना बनाई गई है इसमें पंचतंत्र की कहानियां, अमर चित्र कथा, महापुरूषों की जीवनी का प्रसारण किया जाएगा इसके अलावा कुपोषण दूर करने के संबंध में जानकारी जाएगी। लोगो में जागरूकता करने के प्रयास होंगे इसके साथ ही स्थानीय बोली हल्बी में कहानी के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने की कोशिश की जा रही है। इसमें तीन पात्र लच्छू दादा, दूसरी और कोलिया है जो आपस में संवाद करते है। उन्होंने बताया कि गणित और विज्ञान की पढ़ाई भले ही इसके माध्यम से न हो लेकिन अन्य विषयों को आसानी से पढ़ाया जा सकता है। फिलहाल पढ़ाई का समय सुबह डेढ़ और शाम को डेढ़ घंटा रखा गया है यह अभी प्रयोग के तौर पर यहां किया जा रहा है।

राजनंदगांव से ...

डिजिटल एजुकेशन के तहत स्मार्ट टीवी से अध्यापन

वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नए-नए परिवर्तनो को ध्यान में रखते हुए डिजिटल एजुकेशन को अपनाते हुए वि.ख. मोहला के प्रा. व माध्यमिक शालाओं को शिक्षकों द्वारा स्वप्रेरित होकर स्मार्ट एन्ड्राइड टीवी द्वारा अध्यापन की नवाचारी पहल की जा रही है।

शुरूआत- 28 सितम्बर 2019 को प्राथमिक शला सोमाटोला के सक्रिय शिक्षक श्री राजकुमार यादव द्वारा सर्वप्रथम कक्षा में स्वयं के खर्चे से टीवी लगाकर स्मार्ट क्लास बनाया गया। श्री यादव के प्रयास को संज्ञान में लेते हुए श्री राजेन्द्र कुमार देवांगन एबीईओं मोहला ने इसे विकासखण्ड के 10-12 शालाओं में शिक्षकों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहायता से विस्तार किया।

योजना में खर्च-एक सामान्य दर्ज संख्या वाले शाला हेतु एक 32 इंच स्मार्ट एन्ड्राइड टीवी का खर्च 10.000 एक ही है। यह टीवी सीधे एन्ड्राइड मोबाइल से आपरेट होता है, अतः इसमें डिस्क या कोई एंटीना की आवश्यकता नहीं है।

योजना का विस्तार- विकासखण्ड मोहला के शतप्रतिशत 272 प्राथमिक व माध्यमिक शलाओं में लागू करने की योजना है। वर्तमान में 135 शालाओं में स्मार्ट टीवी लगाया जा चुका है। 137 शालाओं में विस्तार की पहल जारी है।

वर्तमान में उपयोगी- कोविड-19 के कारण शालाओ के बंद की स्थिति में पढ़ई तुंहर पारा में स्मार्ट टीवी का उपयोग करके अध्यापन जारी है। इसे पढ़ई तुंहर पारा विद स्मार्ट टीवी नाम दिया गया है।

भविष्य की योजना- स्मार्ट क्लास में अध्यापन कराने के लिए अध्ययन सामग्री निर्माण हेतु विकासखण्ड में शिक्षकों की एक टीम काग्र कर रही है। जो पाठ्यक्रम अनुसार सहायक अध्ययन सामग्री बना रही है। यह कार्य कुशल शिक्षक सईद कुरैशी के मार्गदर्शन में हो रहा है। भविष्य में स्मार्ट क्लास संचालन हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना भी है।

कोरबा से ...

बच्चों की तलाश में खेत तक पहुंचे गुरूजी ने मचान पर लगाई क्लास

दिनभर पसीना बहा रहे कृषक परिवारों के साथ उनके बच्चे भी इन दिनों खोतों में ही समय बिता रहे हैं। इससे शिक्षकों को मोहल्ला क्लास लगाने में दिक्कत हो रही है। इसी मुश्किल से जूझ रहे एक शिक्षक बच्चों को खोजते-खोजते खेतों तक पहुंच गए। उन्होंने देखा कि कुछ बच्चे खेल में व्यस्त हैं तो कुछ अपने माता-पिता का हाथ बंटा रहे हैं। समस्या का हल निकालने के लिए कोरबा जिले के शिक्षक ने ग्रामीणों की मदद से खेत के पास ही एक मचान बनाया। अब बच्चे मचान के ऊपर किए गए छांव के बीच में बस्ता लेकर बैठ जाते हैं। वहीं पढ़ाई शुरू हो

जाती है। खेती के सीजन में बच्चों को घर में अकेला छोड़ने की बजाय किसान उन्हें अपने साथ खेत ले जाते हैं। इस तरह माता-पिता को भी उनकी अतिरिक्त चिंता नहीं करनी पड़ती और शिक्षक के नवाचार से बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित नहीं हो रही है। महामारी के डर के साथ कोई और जीना भले ही न सीख पाए, लेकिन अन्नदाता किसान ऐसी परिस्थितियों में भी घरों से निकल

खेतों में जीवन के अंकुरण लाने का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। मोहल्ला कक्षाएं नियमित लगाने को लेकर कुछ इसी तरह की चुनौती पाली विकासखंड अंतर्गत प्राइमरी स्कूल नर्सरीपारा के यह शिक्षक सुनील कुमार जायसवाल के समक्ष पेश आ रही थी, लेकिन उन्होंने भी हार नहीं मानी और मचान के बाहर खुद खड़े होकर अपनी मोहल्ला कक्षा लगाते हैं।

रायपुर से ...

पेटी वाली दीदी

रायपुर राजधानी में एक ऐसी शिक्षिका है, जो शिक्षा के लिए अनूठी पहल कर रही है, जो शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श प्रस्तुत कर रही है। रीता मंडल पीजी उमाठे स्कूल में पढ़ाती है। इनका मानना है कि समस्याएं चाहे जैसी भी, इसमे संभावनाओं की तलाश होनी चाहिए।स्कूल शिक्षा विभाग ने जब पढ़ई तुंहर दुआर शुरू किया। तब पाया कि ऐसे परिवार जो बच्चों को स्मार्ट फोन देने में सक्षम है। उनके बच्चों की पढ़ाई तो होने लगी। लेकिन जिनके माता-पिता स्मार्ट फोन नहीं दे पाए। ऐसे बेटे-बेटियों के लिए पेटी वाली सहारा बनी। गरीब तबके के बच्चों के लिए पहले उन्होंने हर्षित नगर में कक्षा चौथी से आठवी तक के छात्र छात्राओं को सामुदायिक भवनों में पढ़ाना शुरू किया।
रीता कई सालो से शिक्षा दे रही है। लेकिन आपदा के दौर में इनके द्वारा तैयार किया गया शिक्षा सखी ग्रुप और इससे जुड़ी 6 छात्राएं। जिन्हें हर माह प्रत्येक को हजार रूपए मानदेय भी खुद देती है। वे बताती है कि मोहबा बाजार के हर्षित नगर में खुद क्लास लेती है। यहां के बच्चों ने मुझे नई पहचान दी।

शिक्षा के लिए अनूठी पहल करने वाल रीता को जब एहसास हुआ कि कई बच्चे ऑनलाइन क्लास से नहीं जुड़ रहे है। तब मन में सवाल उठा कि क्या इनके लिए कुछ किया जा सकता है। जिससे बच्चों का किताबों से सरोकार बना रहे। तब खुद ही हर्षित नगर के सामुदायिक भवन में पार्षद से सहमति से क्लास शुरू किया। इसमें पाया कि क्लास में ऐसे बच्चे भी आ रहे है, जो निजी स्कूलों में पढ़ते है। इसके बाद पूर्व और वर्तमान छात्राओं से बात की और शिक्षा सखी की शुरूआत की गई। बच्चों को बैठने के लिए चटाई से लेकर पढ़ाई में उपयोग की सारी चीजे खुद खरीदी है। नूरानी चौक राजातालाब में महजबिन, तेलीबांधा चौक के पास रोशनी नायक क्लास चौथी से आठवी तक की कक्षाएं चलाती है।

मीडिया में पढ़ई तुंहर दुआर

विशेष आयोजन

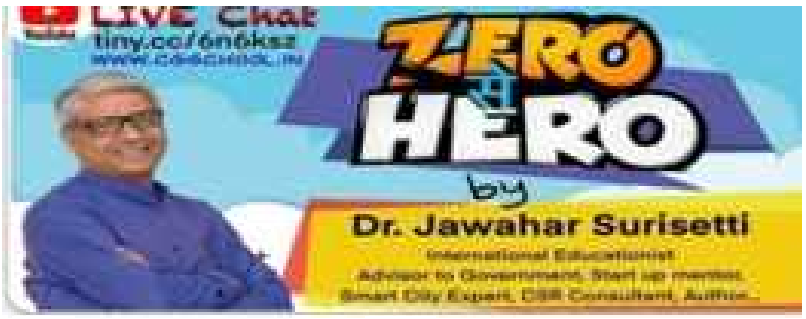

8 सितंबर 2020
SCERT
वर्तमान परिदृश्य में पठन विकास एवं सुधार
मॉडरेटर
विषय विशेषज्ञ
दोपहर 3:00 PM
7 सितंबर 2020
Scan to join
bit.ly/3gUtzP9
मुमकिन है!
bit.ly/3gNPlEd
8 Aug : 3:00 PM
डॉ. दिनेश मिश्र
BIT.LY/32SBSOY
HOW TECHNOLOGY IS CHANGING OUR FUTURE !
26 SEP (SAT)
LIVE Chat
tiny.cc/6n6ksz
ZERO से HERO
by
Dr. Jawahar Surisetti
YouTube LIVE
गुरु तुझे सलाम
YOU
NEED TO
TIME MANAGEMENT
समय प्रबंधन
छत्तीसगढ़ से सूर्य ग्रहण LIVE प्रसारण
21 जून 2020, 10 AM
YouTube Channel: PTD Chhattisgarh

हमारे नायक : शिक्षक

संजय कुमार साहू

भूपेंद्र कुमार पटेल

ललित कुमार बिजौरा

मीरा देवांगन

विजय शर्मा

संदीप कुमार पाण्डे

श्वेता सोनी

ऋतू वर्मा

दीनबंधु सिन्हा

कु. मोनुगुप्ता

कंचनलता यादव

सुधा रानी शर्मा

अशोक सिंह

अनिल कुमार कौशिक

लोकेन्द्र कुमार नायक

दीपक प्रकाश

सरिता नायक

सरोज साहू

शालिनी दुबे

विरेंद्र कुमार भगत

वेंकटराम येटला

उमेश कुमार रावत

विभा सोनी

सिकंदर खाँ

मंजूषा तिवारी

राजेश मिश्रा

निरंजन दास

चरण दास महंत

इश्वरी सिन्हा

सम्पादक मंडल

० आर. एन. सिंह ० डॉ. योगेश शिवहरे ० ए. के. सोमशेखर
० प्रशांत कुमार पांडेय ० डॉ. एम. सुधीश ० डॉ विद्यावती चंद्राकर ० सत्यराज अय्यर ० डॉ जयाभारती चंद्राकर

नीचे दिए बटन को टैप करके हमसे जुड़ें

t.me/ptdnews /PTDchhattisgarh पढ़ई तुंहर दुआर scert.del@gmail.com